

2867

नविस्तिमि लुलमाभ, स्तिमि अ न न्द मन्त्र ।
वाश्वज्जवावाही अलिङ्गन सन्धने नाना स्तिमि
मह दन्ता ॥ ॥ गेना ह्ने न नो ह्ने न नो गेना गेना
ह्ने ॥ ॥ नीलव ह्ने न नु न व के युगि म्स्तिमि ने गन्
पनमा अ न न्द म्स्तिमि धनो शिव ह्ने न न व न्द
ठामव ह्ने न न ह्ने अ अ ग न व म्स्तिमि गेना ॥ व

उद्यधुवा अचम उम न्द ह्ने न धनो विन्या
मन्त्र स्तिमि धनो श्वन म्स्तिमि के पान धन न्द न ह्ने पा न धन
गि धन न्द न्द पान धनो ॥ ॥ दि म्स्तिमि दि न्द न्द
का स्तिमि दि न्द न्द म्स्तिमि दि न्द न्द न्द न्द न्द न्द
धनो न्द न्द न्द न्द न्द न्द न्द न्द न्द न्द न्द न्द
नन्ध अ न्द न्द न्द ॥ ॥ नन्ध न्द न्द न्द न्द न्द

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

न्याश्रयः सः समने ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
समस्या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यत्पुनः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ दानपत्रं सर्वकार्यसिद्धिने ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्ठागुरुगवनमस्तुमाशुपुत्रयोदहयिनुरुत्त
 वासिपदंशुजनामनधरायवननमाचयपनेम
 गमयपनमस्तु॥ ॥ अहिवक्त्रमहायानयोक्त
 मदेहिचिन्मनपानननेशदेहायिशुक्रमल्लच
 नछुक्कगपगानुरुत्तवाधिपदं॥ ॥ सर्वगुण
 गगपूजनयात्रेद्यानयामिमपापननृपययुवा

हादिशिंगपनिवाष्ठीगकामनकुनिषाद निराव
 न॥ ॥ कुसुमुदकेमकुठासनकामवाजिन
 कुनसमयावायोपदंशमन्त्रजनदव्यनजनरु
 पुनदधवनेनमियदरासुन॥ ॥ नमामिनाम
 मिष्टाचक्रसंस्तुनछुत्रवाक्कादधधनिवाशसगु
 नृवनलकमनपुसाशुनुरुत्तसिद्धियदमाशुः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दुर्दं ॥ ॥ वासुदेवाय नमः ॥ ॥ उदिता
गलं विषयवनेन दगा श्वेन ह्यम दामवेका सन न
॥ ॥ ध्यात्र दृष्ट केन रायानि स्मन वानि ता
निनं अनभाशु के गा ॥ ॥ दिनव नम
घागा श्वेन धाम गन स व के गा ॥ ॥ द
निराय जगिनि रुगा श्वेन न न सिन नो मि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

गा ॥ ॥ अमर्ष निपवन य राउ न रा ग श्वः
जवा नाहि रुशु छि ने न मि गा ॥ ॥ वाग न न वि
गा न जगि ॥ विविहं विहान न मा न विषा मि वेद न
दवान न न अम न न रुवन न रुव न रुव न रुव ॥ ॥ नाव
यि न न मा मि धा सं स न वी ना श्वेन या मि नि न मि
न न स न रुव न न ॥ ॥ वज्र वा नाहि अलि न व

ठि न २ म द य म द य व ज ध स म य २ व न्द्र नू या नः
 सं वि न व न ॥ ॥ कू नू कू नू व ज ध स म य २ व न्द्र
 ओ लालि क स म य २ व नू नू नू नू नू नू नू नू नू नू नू नू
 सा क नू वि क स नू व न ॥ ॥ व ज स र्ग अ ह्म ग म
 वि ध न य स न म कौ दा ग म ह्म २ न स ध क व न व ज न
 न क चि क ध क माल ध न ॥ ॥ ह्म ह्म ग नि ध

ता व ध न ह्म ह्म ग नि ध ता व ध न २ न रि न हि
 जि न नि क स न ग का य नि व न न नो च क ध न ॥ ॥
 ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म
 २ ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म ह्म
 न ॥ ॥ न म अ ह्म ॥ गाल मा ॥ हा उ आ न न
 किय यि न स म न ध न यि क वानि न व ह्म २ नू नू नू

१०१
 १०२
 १०३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
प्रथमोऽङ्कः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मविनाहि वज्रवाहाहि ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वा ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वलिना ॥ ॥ गिरिधर वरुण ठा ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

न पयि मयि शुभं नरका वा ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वाही ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
लिता वज्रवाहा ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
समया आनन्द ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
हि ॥ ॥ वागव्य उवाच ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

किं च किं मादि न दाहिनि चक्षुः श्री ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वज्रवाहि

सिद्धि नग नस फावे ॥ ॥ जया हे नू व व ज के वा
वावे १ ष नू नू नू दि न नी ल व धू ता वे ॥ ॥ ता च
ग धा ग न के ध धा नि वू नू १ स र्व स त्व ड धा नि वा ग
व व कि मू ल ॥ ॥ भा नू गी हे नू व १ नू नू न या यः
नी १ पु रू पा य ड धा नी नू म नू ख ठां ला ॥ ॥ पु रू
का न आ च्छ नि हे नू व स ह ज स ता वे १ र न नि ल म साः

मिनि नू ता व न रा व ॥ ॥ वा म ष व उ मि नि ॥ गा
न नू के गा नि ॥ च कि वू लू ल के धि वा च नू म ख ल रूः
वि न शि व वू लू न न व शि च मा ला १ ण न व कि व कि नू
या र सा वि रु वि ग न ग न गु व नू नि वा ला ॥ ॥ पु रु तः
३ धा हे नू व दे मा नू का ना या रू ल ना ध गी स म्ब ना या ॥ ॥
॥ व ज के वा ट का रु थ धा नि या के धा कि र्या वू त ठां ला १
ज म मू को का गे य धा पु नू सा मा पा द य नि म्द य पू षा द या १ नू म म्द य नि म्द

पु
३
३

पु
३
३

संपूर्णग्यानिनिकमत्रविहाणिजनमहासुखमनि
पुसादे ॥ ॥ वज्रवावाहिआहीआलिंजनसम्वनना
चयिवद्विद्वनरंला २ वाचुनिकालयिकदनिहृन्ः
ब/अद्वरुवरुलनसुचुन्द ॥ ॥ सहजसंवधिः
नयाभवनिकेधपायाहृन्वचनमपुसादे २ पुलाः
आलिंजनकेदनिहृन्वविलागारिधुन्यकनूध ॥ ३

न. ॥ नवि ॥ गाननकमान ॥ गजजिनडद्वकहाथ
धनिर्याकमलकुलिषाईकुवावा २३ मन्वकनगिदूः
दालगिधूलावेमखट्टांनकेपालल ॥ ॥ आहिमः
मनवायान्ववाचुनिगुमजांठुवाचन २ मालयिन
वापीयारिनमा ॥ ॥ सहजसुखवन्मुमलिना ॥ ॥ पा
हाहृवृममूद्रकदादसहाथधनिर्याडनचठिनः
ह

मा ला २ नी ला हि ग ला हि ग क लं क प यि च ड मू ख अः
 गि वि के ला नू ने ॥ ॥ आ ली ट प या रे व व वा प यि
 ने ध्व न का लि वा अ गि वि ने मू द्रा २ वि ध्व कू लि स अ र्द्ध
 च नु अ टा श ग वा घु च न मू ष ट मू द्रा ॥ ॥ च्छु गि स वि लं
 वा ने ध्व न ना य क गि नि च म हा वि ना २ क नू न ष ट मू द्रा
 वि न ध्व न रु ऊ र यि स य न स सा नू ने ॥ ॥ ना ग र

च वि ॥ ग न ॥ न मा मि श्रा चं नु म हा ना ष न दे व ॥
 मू म न गि पा प र य रु च ना २ अ ठ ग प नि गु र्वा र व ड ३ ख
 ना ष न मा न लि पू र्क द न षा गुरु च ना ॥ ॥ हूं हूं ध न
 ना म धु ल ड प नि च वि षा षि म धु ल जा नू पा द न्य स अः
 च न वी ना २ ग अ घ न जि मू क नी ल व र्द्ध सा हा वि घ न
 को टा स नं अ च वि ना ॥ ॥ द हि न ख ड्ध न ड कः
 ले

न मा मि च नु म हा ना ष न

७३ मेर

॥ चतुर्दिगुलनतुदवी २ गिनि गिनि
दवी नाचतुवदवी ॥ ॥ रुचीरुचवुक्तुं रु अरु
नहावदवी २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

विष्णुमात्रियादयामात्रीयाद्विदा रुचवुक्तुं रु अरु
यामात्रामात्रुं गामात्रुं पुत्रुं दिगनाष्टिदा ॥ ॥
पत्रुं रुचवुक्तुं रु अरु
कना २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

जनक ॥ ॥ नत्वा गन्धर्व नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम्
स्वे अग्निसूदनादिमाहत्वात्तमसुखदा नमस्तु शनः
लो ४ व द ॥ ॥ नत्वा गन्धर्व नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम्
त्रमकूटकिं नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम् नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम्
सत्त्वपत्रम ४ व द नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम् ॥ ॥ नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम्
थिक ॥ ॥ नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम् ॥ ॥ नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम्

कृत्वा कम्पलध ॥ ॥ गिरुबनजालिगमूर्ति
अनूनायनविष्णुवचन शनाचयिवजसत्त्वपत्रम ४ व द
वपत्रम ४ व द ॥ ॥ नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम्
नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम् ॥ ॥ नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम्
नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम् ॥ ॥ नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम्
नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम् ॥ ॥ नत्वा गन्धर्विणा तत्त्विकम्

॥ सुदृढा लोनि २५ ना नाया प्रव माहावनि
॥ समया न की गथा गं वनि देवी श्वरकाः
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि

॥ सुदृढा लोनि २५ ना नाया प्रव माहावनि
॥ समया न की गथा गं वनि देवी श्वरकाः
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि
॥ विमलमय न वयाने ॥ ॥ श्रीद्रमहावनि



उत्तमाग्नीमहिनामया ॥ ॥ मंजुश्री लोकोनाथ जीनवनमवृत्ता
जंभुनावडासख मेगीयावज्रपाणि सुखवलनुकेना तादृशाएदुपालि
वृद्धावेनावनाथी गीएवननमीर्ग श्रीलनिहवइशोर दुष्टाधार्वाथासे
विमनसूमनसु मंगलवाधिसख ॥ १ ॥ द्वाष्टाष्टा नवजाप
स्यपतिदमको वज्रवन्धु जहसु पीताहा नाहलंश लिपूठनम
थन ठकी नाजा महात्मा जक्रोपनखकेउ प्रणिदिनमचया व
नरुलीर्यमालि दुष्ट ॥ २ ॥ संघंते लावर्वधु गुनठननिल

या वाधिरनसचित वृद्धाहालिन्दु नाजा विजिगकनीमना हुरक
निलदंमु वृद्धाधमालिन्दु नाजा विजिगजीनठुना सर्वसखा
नूरुका दुष्ट ॥ ३ ॥ प्रह्लाचन्डावगाना तदनुजतर कूटीह्वान
मंतानताना मालिंची मालमाना सकनतयहना पीतवर्धुः
गीवका मायूनी मामुकिच रूपितनीपूगन्म पाधुनालाचना
द्या दुष्ट ॥ ४ ॥ गंधात्रीजाठुनीच तजगवगकना स्वर्क

५२ ५३ ५४ ५५

यागमकुहमन्त्रावा नदीवज्रहस्ता, अङ्गीपत्रउधना, धर्मधात
ह्वमनीच, ~~उधना~~ पावीन्यामाल्याहमेशीगाला, पुठिंगडीन
वल, हमवल्लिधप्रवजा, वल्लिनीवन्धवजा, पुहणीगवदना, खण
गीशर्यागाना, नहमीवृद्धस्यवाधि, सुकेलहयहला, हमनठि
दीपवजा, ~~उधना~~ ~~ह~~ वेसाल्याधर्मचक्रं, पाठितडिनवल्ल, प
धतगळकूटीहमवत्यान्रविनीच, क्रीतिनिहितकना, कोकनेवा
धिहृत्, धीमर्दवावेताली, मूलगोननमितं, ह्रीरुल्लंघनचक्रं

~~उधना~~ ॥ १॥ कूटध्वजवाचपद्म, ध्वजवल्लनमीतं, लावनाम
ल्लह्य, वाचाहृत्, न्यदंष्ट्र, मनिवल्लवचनं, वज्रघंमुनिधम
नाधूमनीग्रानिहाय, मूलगोननमितं, हास्यनास्रविलाहा
~~उधना~~ ॥ २॥ धीवर्चुपूननिकी, ध्वजवल्लकलसः, वासनम, कू
शकैल्लकूटं, हंसदगं, लविस्तुतिउहया, दानापावर्मृष्टाख, ह्व
कं, चास्रिषहृदि, दाधिरुल्लहृमा, पापकृतिदिपामा, ना ॥ ३॥

वासवाथसिद्धिविभलहमनहर्मनलवाधिलखल ॥ २ ॥
 ७३२ संवत् २१ मि आसुनवादि १३ लाज ६ सहरावलयालाजमा
 दाशयाकथमनवाहायालबुमनिठडा नथ मंगलालननश
 सविद्या ७३२ ४॥ ॥ ५ ॥ ७३२ म ७३२ ॥ ७३२
 प्रन्यासिलावाः ननोलाजः धम्मसिवावाइधधिनः ७३२ धामाव
 लियासमालकन्या गधेव व ७३२ त्यासिगाढालामनाधलि
 यवेपेचैकन्याहमलस ७३२ थनाताय विडेयाय संप्रव

७३२
 ७३२
 ७३२

सुविवासाय ७३२ लायगमन ३ ॥ ॥ राजमासियासीरु
 प्रतुथाकथा नवाहायाल ७३२ नि ७३२ नथमंगलामेव नश
 ७३२ नमाठा ७३२ कनीथाडिवलम ७३२ ७३२ ७३२
 ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२
 निधाममावकन्या ७३२ योशमिक् ७३२ ता ७३२ मय समय ७३२

७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२ ७३२

कात्वं नानि त्वत्ता का न्यौत्थ ॥ तमतिमसयः तात्ता
कश्चल जसय सुममं ॥ वाक्कि कचल कोचल साक
सः ॥ ६ ॥ सैलाना चक्री चिक्रु सुनसाः सयमनूमा
हितमापि पल हीतः ॥ इदि दानि मेलः माह न सप
मः कत यूना थकः ला मविलापः ॥ ॥ ७ ॥ इताम रूखा
सुल नारि शाति विकन लकी प्रितिः कति शाः सैलाना
ना च कः ॥ रयनिता सति सदा ताः सैक सित ता स मकिवा

ताः ॥ तिनमाहा पतिष्ठ का ह्रन्धः विकी सति ता गत का ह्र
मः इति शा नूत गठानः तमतिमना मिः सा डानल क
ना मम वि ममि ॥ १ ॥ किका प्रुति कला विपलापः मूच
सि त गठानः मा मकृता ह्रन्धः यै का प्रुत कला गता प्रुत्ता ॥
॥ जनय सति विविदा कथमापि प्रुत्ता ॥ ॥ सुमल यना मापि
तडा सि प पतिष्ठ प्रुत्ताः उपयसि केलूषा क्रिक्रिम इहम्

ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥
य नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः
स पुनः विहगिनिगुनाकनाथपनाथा सखे खदीग
पाळी ननकामनाधिना वामदो शिखे गुह्यः स वा
करिगिष्ठल पनष्ठु उमनरक विगुनं हनरकोरु ॥
ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥

धननष्ठु धामर्य ॥ जा ॥ कमलवन ॥ कोना ॥ सम
दिगगडा ॥ जा ॥ सरुसकले ॥ कोना ॥ जिनवनरु
विग ॥ जा ॥ दुरुधने ॥ कोना ॥ गधनासंशक ॥ जा
सुसलिनमन ॥ कोना ॥ समनसंरावे ॥ जा ॥ समा
धिष्ठ ॥ कोना ॥ जदयसंरावे ॥ जा ॥ कनूधन
स ॥ कोना ॥ मुदिगविकोछिगे ॥ जा ॥ धर्मगनू ॥

को
कोना ॥ गिरुवन न उर्यं जयं ॥ जा ॥ वृत्तिषा कलो ॥
कोना ॥ खनखं गिरुज सखप नम ठुनं ॥ जा ॥
नाग ॥ जं धानि ॥ गानु पंचम ॥ धाम्मादयो संनगका
मन्त्रवि २ सजा गपू धु न्द्र कला विनाशि ॥ ॥ जि
ने लु मागा जिन ~~स~~ सन्द नी स्वा शन मामि २ गा नू क
लि स्य ह्वानि स्वा ॥ ॥ ना ठा ॥ न वि ॥ गो ली ॥

सना नने स मरुटि का स्या सधु य सना नरु हो ठा कुमाचय की गा नू पुरा वा यो मवें ह
मा न लो ग या ना न उ ह न वी र्य ॥

जगि ॥ मध्या म नू म रु म नि के न क वा जि ने पूर्व
विद रुज स्रु दि प २ ऊ य न छा दाय नि ड रु न कू
नू रु व न प रु व धू पं कू जि न वा पि या ने ॥ ॥
हू हू न मा मि पं कू वृ ह वि ष्व धा वि ष्व जि ग वि ष्व
~~हू हू~~ न वि ष्व हू ग पं कू म नू रि २ ऊ रु दि पा
ने ना व रु दि जि न मा न सा हू ने नू रा य मि मि न ध

नधानत्रुल ॥ ॥ जागवदनि स... उपदिप
नाउपदिपन जागुदान १ ६० सन नाउपदिप
विदिषाएवेन नाउपदिप धाखे छुपलछु ॥
॥ दिनेदवेन पावन नात्रुधि नराचिय सफ अस्मा
दत्रुधियान २ अत्रुधोउदिचिय सायेकात्तु के
मानि के छुमानि धिंखि न वादयनि ॥ ॥ ७३३

द वनगिबन संराठगि पनि रावेना सनि के छुम
हुदपनि संपनि पूजा २ वनव पनि रा लधि सफ
पनि पूजिय राव सग न जल सगु न ॥ ॥ ७४
धवनालि ॥ गाल जगि ॥ अनिल अनल जल जो ल
वसा अम न सहु लव ज नाया २ व ज प जल धान ज
ल सय न पनि रुत्रुव नाया ॥ ॥ ७५

निशाठनी का गवनी धूप धा मुह... पुषा...
ना... शा... मा...

याः सु न्य क न ना आलिं ग ध रु नू ब रु धि या श्व ज
 वा ना ही आलिं ग न स म्ब न रं रं न यि या ॥ ॥ च
 नि स वि नं वी न च न ज हि ज हि ग हि ग हि अ रु सः
 म ध म ने श अ नू रु ग षा दे व व ज षा उ षा दे वी मिः
 न गि व य न रु स र्हा वे ॥ ॥ गि रु व न रु स र्हा वे
 ना य र ल ना ना गि रु व रु न रु म् उ रु व रु वी ना

श गि नि रु व न व ना ट क प सा नि न र द म्मा रु नः
 य न रु स र्हा वे ॥ ॥ अ हि नि स स न रु व र्हा वे
 ना ला च्छा दि ला ना रा वा अ रा वे श ज ना म न ध रा य
 व न्ध रु न च्छा दि ला न रु नि या व रु का का ॥ ॥
 ना ग ल लि ग ॥ गाल व रु ज टि ॥ अ नू ग रु न न च ना वं
 का न रा वे य ल रु य चि नि ग वि चि गे व न र्हा श्व
 पु रु न स फ रु द मा य ध ना रु वा च अ ना ला व रु न ग वि नि स न न

वि नि स न न वि नि स न न वि नि स न न वि नि स न न वि नि स न न

हं कानवजामगमदकं सफसंलंसाधिगल्लानाम
गमये ॥ ॥ चन्द्रामगनसवाधिदलदायकं स
वृजिनवापिमसहजकल्लहाशजगममनलंसाधिग
छुन्यकननाहव संसाननासनंविनरुनूपं ॥ ॥
वजपनमामसमयनान्धामसंयुक्तं जंखसल्लः
पिनं पंक्कपियुत्वं हं कानमनु पूष्यसुष्यदन

वजसल्लापिनं विपाककल्लहां ॥ ॥ घटसल्लन
नगकनूपरावं ज्ञानकल्लमन्दाविनिजलनूपर
मटगिसाधननं देवगाचकं ल्लानसल्लमामिः
समयल्लदिजकीनर्णं ॥ ॥ पाद्यादिमल्लमनं द
नूपनधननं समयवजुषुवेणिगं विमदकल्लः
हं ॥ महानाण्डविरुयवाधिचिरं नूपं समय

॥ ये च ब्रह्मसंकेतः ॥

उमादत्त लिनायगि रुद्रववीनार वीनसेनाय

